वशि्व पर्यावरण दविस पर भारत का ई-कुकगि परविर्तन

प्रलिम्सि के लयि:

वशि्व पर्यावरण दविस, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE), ई-कुकगि, सौभाग्य कार्यक्रम, पर्यावरण के लयि मशिन जीवनशैली (LiFE), नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, सतत् वकिास लक्ष्य 7.1

मेन्स के लयि:

पारंपरकि खाना पकाने के तरीकों हेतु ई-कुकगि वकिल्प, टकिाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने में LiFE पहल की भूमकिा, सतत् वकिास लक्ष्य 7.1

चर्चा में क्यों?

वशि्व पर्यावरण दविस **प्रतविर्ष 5 जून को मनाया जाता** है, यह पर्यावरण संरक्षण और स्थरिता के संदर्भ में जागरूकता बढ़ाने हेतु एक मंच के रूप में कार्य करता है।

- इस महत्त्वपूर्ण दविस की 50वीं वर्षगाँठ पर अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन, **ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (Bureau of Energy Efficiency-BEE) एवं सहयोगी लेबलगि और उपकरण मानक कार्यक्रम (Collaborative Labeling and Appliance Standards Program-CLASP) ने नई दल्लिी में "ई-कुकगि परविर्तन हेतु उपभोक्ता-केंद्रति दृष्टकिोण पर सम्मेलन"** का आयोजन कयिा।
    - इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत में **ऊर्जा-कुशल, स्वच्छ और कफिायती ई-कुकगि समाधानों की सुवधिा** में तेज़ी लाना है।

वशि्व पर्यावरण दविस 2023:

- **परचिय:**
    - संयुक्त राष्ट्र सभा ने 5 जून, 1972 को **वशि्व पर्यावरण दविस** की स्थापना की, जो मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन का पहला दनि था।
    - यह प्रत्येक वर्ष एक अलग देश द्वारा आयोजति कयिा जाता है।
        - **भारत ने वर्ष 2018 में 'बीट प्लास्टकि पॉल्यूशन' थीम के तहत वशि्व पर्यावरण दविस के 45वें संस्करण** की मेज़बानी की थी।
    - वर्ष 2023 में वशि्व पर्यावरण दविस नीदरलैंड के साथ साझेदारी में **कोटे डी आइवर** द्वारा आयोजति कयिा गया है।
    - **इस वर्ष वशि्व पर्यावरण दविस की 50वीं वर्षगाँठ है।**
- **वर्ष 2023 के लयि थीम:**
    - वषिय **#BeatPlasticPollution** अभयिान के तहत **प्लास्टकि प्रदूषण के समाधान पर केंद्रति** होगा।
- **उद्देश्य:**
    - जागरूकता बढ़ाएँ, समुदायों को संगठति करें और **प्लास्टकि प्रदूषण को दूर करने तथा स्वस्थ एवं अधकि टकिाऊ पर्यावरण को बढ़ावा** देने हेतु सहयोगी प्रयासों को प्रोत्साहति करना।

ई-कुकगि:

- **परचिय:**
    - ई-कुकगि में पारंपरकि खाना पकाने के तरीकों के स्वच्छ और ऊर्जा-कुशल **वकिल्प के रूप में खाना पकाने के लयि वद्युित उपकरणों का उपयोग** शामलि है।
    - इसमें घरों में **इलेक्ट्रकि स्टोव, इंडक्शन कुकटॉप्स और अन्य इलेक्ट्रकि कुकगि डवािइस** को अपनाना शामलि है।
- **ई -कुकगि को अपनाना:**
    - भारत की **24/7 वद्युित पहुँच की उपलब्धि** ई-कुकगि को अपनाने के लयि एक महत्त्वपूर्ण चालक रही है।
    - 'सौभाग्य' योजना ने लाखों घरों को **वद्युित सुवधिा प्रदान करने, वद्युित कटौती को समाप्त करने तथा वद्युित से खाना पकाने** के

लिये अनुकूल वातावरण बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

- **LiFE की भूमिका:**
  - [पर्यावरण के लिये जीवनशैली (LiFE)](#) **पहल** में ई-कुकिंग एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - यह वर्ष 2021 में [पार्टियों के 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26)](#) में **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च** किया गया।
    - मिशन LiFE का उद्देश्य व्यक्तियों को **प्रो-प्लैनेट एडवोकेट्स में बदलना और स्थायी जीवनशैली को बढ़ावा** देना है।
  - **खाना पकाने हेतु स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच** भारत की ऊर्जा परिवर्तन यात्रा का एक अनिवार्य पहलू है, जो**मिशन LiFE के लक्ष्यों के अनुरूप है।**
- **भारतीय रसोई के भविष्य के रूप में ई-कुकिंग:**
  - विश्वसनीय विद्युत पहुँच के साथ ई-कुकिंग भारतीय रसोई का भविष्य बनने की ओर अग्रसर है।
  - खाना पकाने की इलेक्ट्रिक तकनीक की मापनीयता और सामर्थ्य इसे शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लिये एक व्यवहार्य विकल्प बनाती है।
- **किफायती ई-कुकिंग बिज़नेस मॉडल:**
  - ई-कुकिंग समाधानों को व्यापक रूप से अपनाने के लिये किफायती व्यवसाय मॉडल विकसित करना महत्त्वपूर्ण है।
  - [सौर](#) एवं [तापीय ऊर्जा](#) जैसे [नवीकरणीय ऊर्जा](#) स्रोतों का उपयोग लागत कम करने और ई-कुकिंग को अधिक सुलभ बनाने में मदद कर सकता है।
  - एकत्रीकरण मॉडल एवं कीमतों में कमी की रणनीतियों को लागू करने से किफायती दरों में और वृद्धि हो सकती है जिससे ई-कुकिंग को बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँचाया जा सकता है।
- **न्यूनतम प्रौद्योगिकी बाधाएँ:**
  - ई-कुकिंग न्यूनतम प्रौद्योगिकी बाधाओं का सामना करती है क्योंकि **उपकरण में दोषों और विभिन्न व्यंजनों के साथ अनुकूलता** के संबंध में **चिंताओं को** दूर कर दिया गया है।
  - बड़े पैमाने पर सफल ई-कुकिंग मॉडल के प्रतिरूपण तथा धीरे-धीरे पारंपरिक कुकर को इलेक्ट्रिक कुकर से बदलना उपभोक्ता में विश्वास उत्पन्न कर सकता है और एक सहज संक्रमण की सुविधा प्रदान कर सकता है।
- **विद्युत क्षेत्र और उपभोक्ताओं को लाभ:**
  - ई-कुकिंग विद्युत क्षेत्र और उपभोक्ताओं दोनों के लिये एक लाभदायक समाधान प्रस्तुत करता है।
  - यह [सतत् विकास लक्ष्य](#) **7.1** के साथ संरेखित करता है जिससे खाना पकाने की साफ-सुथरी पहुँच और इनडोर वायु गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित होता है।
  - **ई-कुकिंग** रीहीटिंग में **ऊर्जा की खपत को कम कर सकता है** तथा एक स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली में योगदान कर सकता है।

भारत के ऊर्जा संक्रमण को आकार देनी वाली अन्य पहलें

- [प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य)](#)
- [हरित ऊर्जा गलियारा (GEC)](#)
- [राष्ट्रीय स्मार्ट ग्रिड मिशन (NSGM) और स्मार्ट मीटर राष्ट्रीय कार्यक्रम](#)
- [(हाइब्रिड एवं) इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण (FAME)](#)
- [अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)](#)

- ## ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE):
- भारत सरकार ने [ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001](#) के प्रावधानों के तहत मार्च 2002 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की स्थापना की।
- यह भारतीय अर्थव्यवस्था के ऊर्जा आधिक्य को कम करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ**विकासशील नीतियों और रणनीतियों में सहायता करता है।**
- **प्रमुख कार्यक्रम:** [राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक](#), [प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार योजना](#), मानक तथा लेबलिंग कार्यक्रम, ऊर्जा संरक्षण भवन कोड आदि।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2016)

1. सतत् विकास लक्ष्यों को पहली बार 1972 में 'क्लब ऑफ रोम' नामक एक वैश्विक थिंक टैंक द्वारा प्रस्तावित किया गया था।
2. सतत् विकास लक्ष्यों को 2030 तक हासिल करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. सतत् वकिास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के लयि सस्ती, वश्विसनीय, टकिाऊ और आधुनकि ऊर्जा तक पहुँच अनविार्य है।" इस संबंध में भारत में हुई प्रगति पर टप्पिणी कीजयि। (मुख्य परीक्षा, 2018)।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-e-cooking-transition-on-world-environment-day